गण्डकी प्रदेश सरकार
# स्वास्थ्य मन्त्रालय
☎ : ०६१-५३५०९५
: ०६१-५३५०८४

पत्र संख्या : २०८१/०८१
चलानी नं. : ४६८

मिति : २०८१/०७/२१

विषय : मन्त्रालयले तय गरेका योजना र सो को कार्यान्वयन सम्वन्धमा।

श्री स्वास्थ्य निर्देशनालय, गण्डकी प्रदेश।

श्री प्रदेश स्वास्थ्य आपूर्ति व्यवस्थापन केन्द्र, गण्डकी प्रदेश।

श्री प्रदेश जनस्वास्थ्य प्रयोगशाला, गण्डकी प्रदेश।

श्री स्वास्थ्य तालिम केन्द्र, गण्डकी प्रदेश।

श्री संक्रामक तथा सरूवा रोग अस्पताल, गण्डकी प्रदेश।

श्री क्षयरोग उपचार केन्द्र, गण्डकी प्रदेश।

श्री अस्पतालहरू (११ वटै), गण्डकी प्रदेश।

श्री स्वास्थ्य कार्यालयहरू (११ वटै), गण्डकी प्रदेश।

श्री आयुर्वेद औषधालय/स्वास्थ्य केन्द्रहरू (११ वटै), गण्डकी प्रदेश।

प्रस्तुत विषयमा यस मन्त्रालयका मा. मन्त्री कृष्ण प्रसाद पाठकज्यूबाट मिति २०८१/०६/१५ मा सार्वजनिक भएको मन्त्रालयको अल्पकालीन, मध्यकालीन तथा दीर्घकालीन योजना यसैसाथ संलग्न हुनुका साथै यस मन्त्रालयबाट मिति २०८१/०७/०७ को पत्र मार्फत अल्पकालीन योजना कार्यान्वयनका सम्बन्धमा गरिएको परिपत्र संलग्न छ। अल्पकालीन, मध्यकालीन तथा दीर्घकालीन योजना मध्ये तहाँ कार्यालयसँग सम्बन्धित योजना यस मन्त्रालयसँगको समन्वयमा प्राथमिकताका साथ कार्यान्वयन हुने व्यवस्था मिलाई नियमित प्रतिवेदन गर्नुहुन अनुरोध छ।

नोटः प्रत्येक महिनाको पहिलो साता उल्लिखित योजना कार्यान्वयनको अवस्थाका साथै चालु आ.व.मा विनियोजित कार्यक्रमको प्रगति समीक्षा गर्न गरी संचालन हुने भर्चुअल माध्यमको बैठकमा अनिवार्य सहभागिताका लागि अनुरोध छ।

(डा. विनोद विन्दु शर्मा)
सचिव

सादर अवगतार्थः
श्री मा. मन्त्रीज्यूको निजि सचिवालय, स्वास्थ्य मन्त्रालय, गण्डकी प्रदेश।

| क्र.सं. | दीर्घकालीन योजना (पाँच वर्ष) | जिम्मेवार निकाय |
|---|---|---|
| क. | नीतिगत तथा कानूनी सुधार सम्बन्धमा | |
| १ | स्वास्थ्य क्षेत्रको विशेषता र संवेदनशिलतालाई ध्यान दिई सार्वजनिक खरिद ऐन तथा नियमावली संशोधन गर्न पहल गरिने छ। | मन्त्रालय |
| २ | स्वास्थ्य सेवामा प्रदेश सरकारको लगानी समयानुकूल वृद्धि गर्दै कुल बजेटको कम्तीमा १० प्रतिशत हुने गरी स्वास्थ्यमा हुने व्यक्तिगत खर्चको भार क्रमश: घटाउँदै लगिने छ। | मन्त्रालय |
| ख. | भौतिक पुर्वाधार सम्बन्धमा | |
| १ | अस्पतालहरुमा आवासगृहको व्यवस्थापन कार्यलाई अगाडि बढाइने छ। | सम्बन्धित अस्पतालहरू |
| २ | प्रदेशमा क्यान्सर, मुटु, मृगौला रोगको उपचारको लागि विशिष्टीकृत अस्पताल र मातृशिशु, महिला तथा बाल अस्पताल निर्माण कार्यलाई प्राथमिकता साथ अघि बढाइनेछ। | मन्त्रालय |
| ३ | स्वास्थ्य तालिम केन्द्रमा सुविधासम्पन्न तालिम हल र छात्रावास निर्माण गरिने छ। | स्वास्थ्य तालिम केन्द्र |
| ग. | सेवा प्रवाह तथा गुणस्तरको सुनिश्चितता सम्बन्धमा | |
| १ | नाक, कान, घाँटी, दाँत र आँखा स्वास्थ्य सेवालाई एकीकृत स्वास्थ्य सेवाको रुपमा विस्तार गरी प्रदेशका अस्पतालबाट सञ्चालन गरिनेछ र यी सेवालाई दुर्गम क्षेत्रमा पहुँच बढाउन आवश्यकताको आधारमा स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन गरिने छ। | सम्बन्धित अस्पतालहरू |
| घ. | जनस्वास्थ्य आपतकालीन तयारी र प्रतिकार्य सम्बन्धमा | |
| १ | प्रदेश जनस्वास्थ्य प्रयोगशालालाई सुदृढीकरण गर्दै संक्रामक तथा सरुवा रोगहरुको निगरानीका साथै अनुसन्धान केन्द्रको रुपमा विकास गरिने छ। | प्रदेश जनस्वास्थ्य प्रयोगशाला |
| २ | एयर एम्बुलेन्सको व्यवस्थापन गरिने छ। | मन्त्रालय |
| ङ. | सार्वजनिक-निजी साझेदारीको प्रवर्द्धन सम्बन्धमा | |
| १ | शिक्षण अस्पताल तथा निजी क्षेत्रसँग सहकार्य गरेर विशेषज्ञ जनशक्तीको उत्पादन गरिनेछ साथै विशिष्टिकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदेशका स्वास्थ्य संस्थाहरुबाट उपलब्ध गराउने व्यवस्था गरिने छ। | मन्त्रालय |
| २ | निजी क्षेत्रले लगानी गर्न सक्ने जनस्वास्थ्यका क्षेत्र तथा परियोजनाहरू पहिचान गरी स्वास्थ्य क्षेत्र लगानी खाका (Health Sector Investment Framework) तयार गरी लागु गरिने छ। | मन्त्रालय |

डा. विनोद विन्दु शर्मा
सचिव

गण्डकी प्रदेश सरकार
स्वास्थ्य मन्त्रालय
पोखरा, नेपाल

| क्र.सं. | मध्यकालीन योजना (प्रथम र द्वितीय वर्ष) | जिम्मेवार निकाय | प्रथम वर्ष | द्वितीय वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| क. | नीतिगत तथा कानूनी सुधारका सम्बन्धमा | | | |
| १ | सबै नीतिमा स्वास्थ्य निर्देशिका जारी गरि कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ। | मन्त्रालय | | |
| २ | विधुतीय स्वास्थ्य कार्यान्यन निर्देशिका (Digital Health Implementation Guideline) निर्माण गरिनेछ। | मन्त्रालय | | |
| ३ | आयुर्वेद तथा वैकल्पिक चिकित्सा मार्गचित्र तर्जुमा गरिने छ। | मन्त्रालय | | |
| ४ | अस्पताल व्यवस्थापन समिति गठन आदेशको संशोधन एवं पुनर्लेखन गरिनेछ। | मन्त्रालय | | |
| ५ | डिजिटल स्वास्थ्य ऐन तथा नियमावली तर्जुमा गरिनेछ। | मन्त्रालय | | |
| ६ | प्रदेश जनस्वास्थ्य ऐन तथा नियमावली तर्जुमा गरिनेछ। | मन्त्रालय | | |
| ७ | विद्यालय तथा सामुदायिक स्वास्थ्यकर्मी व्यवस्थापन मापदण्ड तयार गरिने छ। | मन्त्रालय | | |
| ८ | सेवा करारमा स्वास्थ्य क्षेत्रको जनशक्ति व्यवस्थापन कार्यविधि संशोधन गरिने छ। | मन्त्रालय | | |
| ९ | प्रदेश मातहतका कार्यालयको कार्य जिम्मेवारी र अन्तर्गतका स्वास्थ्यकर्मीहरूको कार्यविवरण समयानुकुल अद्यावधिक गरिने छ र साथै स्थानीय तहमा कार्यरत स्वास्थ्यकर्मीहरुको नमूना कार्यविवरण तयार गरिने छ। | मन्त्रालय | | |
| १० | विस्तारित बहिरङ्ग सेवालाई व्यवस्थित र दिगो बनाउन आवश्यक नीतिगत तथा व्यवस्थापकीय प्रबन्ध गरिने छ। | मन्त्रालय | | |
| ११ | स्वास्थ क्षेत्रका सवालहरुको सम्बोधनका लागि लगानी वृद्धि गर्न विशेष तथा समपुरक अनुदानलाई प्राथमिकताकामा राखिने छ। | मन्त्रालय | | |
| ख. | सुशासन सम्बन्धमा | | | |
| १ | आर्थिक तथा प्रशासनिक आन्तरिक नियन्त्रण प्रणालीलाई कडाइका साथ लागु गरिने छ। | मन्त्रालय, स्वास्थ्य निर्देशनालय | | |
| २ | मातहतका कार्यालयहरुको नियमित अनुगमन, सुपरिवेक्षण तथा स्थलगत अनुशिक्षणका लागि सफ्टवेयर तयार गरी कार्यान्वयन गरिनेछ। | मन्त्रालय, स्वास्थ्य निर्देशनालय | | |
| ग. | भौतिक पुर्वाधार सम्बन्धमा | | | |
| १ | स्वास्थ्य संस्थाको भौतिक पुर्वाधार निर्माण गर्न जग्गा प्राप्तिको लागि संघ तथा स्थानीय सरकारसँग समन्वय र पहल गरिने छ। | मन्त्रालय | | |
| २ | लमजुङ, स्याङ्जा र दमौली अस्पतालको नयाँ भवन निर्माण कार्य प्रारम्भ गरिने छ। | सम्बन्धित अस्पतालहरू | | |
| ३ | स्वास्थ्य निर्देशनालय, गण्डकी प्रदेश र स्वास्थ्य कार्यालय, नवलपरासी ब.सु.पू को भवन निर्माण गरिने छ। | सम्बन्धित अस्पतालहरू | | |
| ५ | गण्डकी स्वास्थ्य प्रवर्द्धन केन्द्र स्थापना तथा सञ्चालनमा ल्याईने छ। | मन्त्रालय | | |
| घ. | आपूर्ती तथा जनशक्ति व्यवस्थापन सम्बन्धमा | | | |
| १ | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्न समयमै अत्यावश्यक औषधीहरुको प्रक्षेपण तथा परिमाण निर्धारण गरी नियमित आपुर्तिका लागि आवश्यक व्यवस्था मिलाइने छ। | प्र.स्वा. आपूर्ति व्यवस्थापन केन्द्र | | |
| २ | अत्यावश्यक स्वास्थ्य सेवा [खोप, औषधी ढुवानी लगायत कोल्ड चेन कायम गर्न रेफरिजिरेटर भ्यान] तथा जनस्वास्थ्यसँग सम्बन्धित सेवाका लागि स्वास्थ्य कार्यालय र आयुर्वेद कार्यालयहरुमा सवारी साधनको व्यवस्थापन गरिने छ। | मन्त्रालय, स्वास्थ्य निर्देशनालय, प्र.स्वा. आपूर्ति व्यवस्थापन केन्द्र | | |
| ३ | शैक्षिक संस्थासंग सहकार्य गरी एनेस्थेसिया स्नातक, बायोमेडिकल इक्युमेन्ट टेक्निसियन (Biomedical Equipment Technician: BMET), एनेस्थेसिया सहायक (Anaesthesia Assistant) लगायतका जनशक्ति उत्पादन गर्ने व्यवस्था मिलाइने छ। | मन्त्रालय, स्वास्थ्य तालिम केन्द्र, प्र.स्वा. आपूर्ति व्यवस्थापन केन्द्र | | |
| ङ. | मातृ र नवजात शिशु स्वास्थ्य सेवा सुदृढीकरण सम्बन्धमा | | | |
| १ | दुर्गम क्षेत्रहरूमा मातृ तथा नवशिशु स्वास्थ्य सेवाहरूको पहुँच र उपयोगमा सुधार ल्याईने छ। | स्वास्थ्य निर्देशनालय, स्वास्थ्य कार्यालयहरू, अस्पतालहरू | | |
| २ | स्थानीय र प्रादेशिक स्वास्थ्य संस्थाहरुबाट गर्भवती देखि सुत्केरीसम्म नियमित रुपमा गुणस्तरीय सेवा (ANC To PNC Continuum of Care) प्रवाह गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ। | स्वास्थ्य निर्देशनालय, स्वास्थ्य कार्यालयहरू, अस्पतालहरू | | |
| ३ | धौलागिरी, मातृशिशु मितेरी, लमजुङ अस्पताल लगायतका रणनैतिक स्थानका अस्पतालहरुमा मातृशिशु प्रतिक्षा गृह (Maternity Waiting Home) स्थापना तथा प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गरिने छ। | सम्बन्धित अस्पतालहरू | | |
| ४ | रणनैतिक स्थानमा रहेका बर्थीङ सेन्टरलाई मापदण्ड बमोजिम सुदृढिकरण गरिने छ। | मन्त्रालय | | |
| ५ | गण्डकी प्रदेशमा मिड्वाइफ्री र स्टाफ नर्स शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालन कार्यलाई प्राथमिकता साथ अघी बढाइने छ। | मन्त्रालय, स्वास्थ्य तालिम केन्द्र | | |

डा. विनोद विन्दु शर्मा
सचिव

| क्र.सं. | मध्यकालीन योजना (प्रथम र द्वितीय वर्ष) | जिम्मेवार निकाय | प्रथम वर्ष | द्वितीय वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| च. | स्वास्थ्य क्षेत्रको संस्थागत क्षमता विकास तथा विस्तार सम्बन्धमा | | | |
| १ | सेवाग्राहीको चाप, रोगको प्रकृति एवं भार र जनसंख्या आदिको आधारमा अस्पतालहरुको स्तरोन्नती गरिने छ। | मन्त्रालय, स्वास्थ्य निर्देशानालाय | | |
| २ | चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मीहरुलाई योगदानमा आधारित प्रोत्साहनको व्यवस्था गरिने छ। | मन्त्रालय | | |
| ३ | आवश्यकतामा आधारित तालिम व्यवस्थापन गरी निश्चित सेवासंग सम्बन्धित तालिम प्राप्त स्वास्थ्यकर्मीलाई सोहि अनुसारको सेवा प्रवाह हुने संस्थामा खटाउने व्यवस्था गरिने छ। | मन्त्रालय, स्वास्थ्य तालिम केन्द्र | | |
| ४ | धौलागिरी र गण्डकी आयुर्वेद औषधालयलाई औषधी उत्पादन तथा प्रशोधन गर्न थप क्षमता विस्तार गरिने छ। | सम्बन्धित आयुर्वेद कार्यालयहरू | | |
| ५ | धौलागिरी, दमौली, मध्यविन्दु र स्याङजा अस्पतालमा ट्रमा केयर सेन्टरको स्थापना गरी दुर्घटनामा परेका वा ठूलो चोटपटक लागेका बिरामीहरूलाई तत्काल आवश्यक उपचार पाउने व्यवस्था गरिने छ। | सम्बन्धित अस्पतालहरू | | |
| ६ | औषधि व्यवसायीहरुको दर्ता र नवीकरणको कार्यको सहजताको लागि औषधि व्यवस्था विभागसँग समन्वय गरी प्रदेश स्तरीय कार्यालय स्थापना गर्न पहल गरिने छ। | मन्त्रालय, प्र.स्वा. आपूर्ति व्यवस्थापन केन्द्र | | |
| छ. | सेवा प्रवाह तथा गुणस्तरको सुनिश्चितता सम्बन्धमा | | | |
| १ | अस्पतालहरुबाट अनलाइन प्रणालिमार्फत टिकट लिने व्यवस्था मिलाइने छ। | सम्बन्धित अस्पतालहरू | | |
| २ | अपाङ्गता मैत्री स्वास्थ्य सेवाको अवधारणा कार्यन्वयन गरी सेवाको पहुँच, उपयोगमा बृद्धि गरी कार्यान्वयन गरिने छ। साथै अपाङ्गता भएका बालबालिकाहरुको शल्यक्रिया एवं पुनर्स्थापना कार्यलाई प्राथमिकताका दिइने छ। | मन्त्रालय, स्वास्थ्य निर्देशानालाय | | |
| ३ | प्रतिजैविक प्रतिरोध (Anti-Microbial Resistance: AMR) निगरानी, न्युनिकरण तथा व्यवस्थापनको लागि एक स्वास्थ्य रणनीतिलाई प्राथमिकताका साथ कार्यान्वयन गरिने छ। | मन्त्रालय, स्वास्थ्य निर्देशानालाय, प्र.जनस्वास्थ्य प्रयोगशाला | | |
| ४ | स्वास्थ्य सेवाको गुणस्तर सुनिश्चिताको लागि अस्पतालहरुमा क्लिनिकल अडिटको साथै सेवाग्राही सन्तुष्टि सर्वेक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ। | सम्बन्धित अस्पतालहरू | | |
| ५ | अकुपञ्चर, फिजियोथेरापी, प्राकृतिक चिकित्सा आदि सेवाहरुलाई एकीकृत रुपमा आयुर्वेद औषधालय तथा आयुर्वेद स्वास्थ्य केन्द्रहरुबाट प्रवाह गरिने छ। | सम्बन्धित अस्पतालहरू | | |
| ६ | प्रदेश जनस्वास्थ्य प्रयोगशालालाई आधुनिक एवं सुविधा सम्पन्न बनाई विशिष्टीकृत परीक्षण सरल र सहजरुपमा हुने व्यवस्था मिलाईनुका साथै प्रयोगशालाहरुको गुणस्तर नियमन तथा अनुसन्धानका लागि सवलिकृत गरिने छ। | प्र.जनस्वास्थ्य प्रयोगशाला | | |
| ७ | आवश्यक जनशक्ति, तालिम र पूर्वाधारसहितको उच्च भेगीय स्वास्थ्य सेवा (High Altitude Sickness Treatment Center) कार्यक्रम प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गरिने छ साथै मेडिकल पर्यटन (Medical Tourism) सेवा प्रारम्भ गरिने छ। | मन्त्रालय, स्वास्थ्य निर्देशानालाय, स्वास्थ्य तालिम केन्द्र | | |
| ८ | स्वास्थ्य बीमाको दायरा बढाउन पहल गरिने छ। | मन्त्रालय, स्वास्थ्य निर्देशानालाय | | |
| ९ | विश्व बैंकको सहयोगमा सञ्चालित गुणस्तरीय स्वास्थ्य कार्यक्रमलाई प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गरिने छ। | मन्त्रालय, स्वास्थ्य निर्देशानालाय | | |
| १० | हृदयघात रोगको आकस्मिक व्यवस्थापनका लागि अस्पतालहरुमा आवश्यक औषधि (Thrombolytic Drugs)को व्यवस्था गरिनेछ। | मन्त्रालय, प्र.स्वा. आपूर्ति व्यवस्थापन केन्द्र | | |

डा. विनोद विन्दु शर्मा
सचिव

गण्डकी प्रदेश सरकार
# स्वास्थ्य मन्त्रालय
पोखरा, नेपाल
☎ : ०६१-५३५०९५
: ०६१-५३५०८४

पत्र संख्या : २०८१/०८२
चलानी नं. : ४०१

मिति : २०८१/०७/०७

विषय : मन्त्रालयले तय गरेका योजना र सो को कार्यान्वयन सम्वन्धमा।

श्री अस्पतालहरू (१२ वटै)

गण्डकी प्रदेश।

प्रस्तुत विषयमा यस मन्त्रालयका मा. मन्त्री कृष्ण प्रसाद पाठकज्यूबाट मिति २०८१/०६/१५ मा सार्वजनिक भएको मन्त्रालयको अल्पकालीन, मध्यकालीन तथा दीर्घकालीन योजना यसैसाथ संलग्न छ। सो सम्बन्धमा देहाय बमोजिमका योजना कार्यान्वयन गर्ने जिम्मेवारी तहाँ कार्यालयसँग सम्बन्धित रहेकोले उक्त योजनाहरू प्राथमिकताका साथ कार्यान्वयन हुने व्यवस्था मिलाई नियमित प्रतिवेदन गर्नुहुन अनुरोध छ।

अल्पकालीन योजना (६ महिना भित्र सम्पन्न गर्नुपर्ने):

| क.स. | मन्त्रालयले तय गरेका अल्पकालीन योजनाहरू, ०८१/८२ |
|---|---|
| १ | हेमोडायलाइसिस सेवाको लागि प्रतिक्षारत संख्यालाई शुन्य कायम राख्ने नीति अनुसार डायलाइसिस सेवाको सुदृढिकरणलाई निरन्तरता दिइनेछ । |
| २ | पाठेघर खस्ने समस्या र फिस्टुला रोगको पहिचान गरी निःशुल्क उपचारको व्यवस्था गरिने छ । |
| ३ | अस्पतालबाट सेवा लिने क्रममा सेवाग्राहीलाई सहयोग गर्न अस्पतालले सहजकर्ताको व्यवस्था गरी सेवाग्राही मैत्री वातावरण सृजना गरिने छ । साथै व्यवस्थित प्रतिक्षालयको व्यवस्थापन गरिने छ । |
| ४ | अस्पताल तथा कार्यालयहरुमा सुरक्षित खानेपानी तथा सरसफाइ व्यवस्थापन गरिने छ । |
| ५ | अस्पतालहरुमा उपलब्ध हुने औषधिको विवरण अद्यावधिक गरी अस्पताल फार्मेसिहरुलाई थप व्यवस्थित बनाइने छ । |
| ६ | स्वास्थ्यजन्य फोहोर व्यवस्थापनको कार्य प्रभावकारी रुपमा अघि बढाइने छ । |
| ७ | अस्पतालहरुमा मानसिक उपचार सेवाको विस्तारको साथै मनोसामाजिक परामर्शकर्ताको व्यवस्था गरिने छ । |
| ८ | सम्भावित विपद् वा प्रकोपको समयमा निरन्तर स्वास्थ्य सेवा प्रवाह गर्न रणनैतिक स्वास्थ्य संस्थाहरूमा अत्यावश्यक औषधी तथा सामग्रीहरूको अतिरिक्त भण्डारण (Buffer Stock) को व्यवस्था गरिने छ । |

नोट: प्रत्येक महिनाको पहिलो साता उल्लिखित योजना कार्यान्वयनको अवस्थाका साथै चालु आ.व.मा विनियोजित कार्यक्रमको प्रगति समीक्षा गर्ने गरी संचालन हुने भर्चुअल माध्यमको बैठकमा अनिवार्य सहभागिताका लागि अनुरोध छ।

(डा. विनोद विन्दु शर्मा)
सचिव

सादर अवगतार्थ:
श्री मा. मन्त्रीज्यूको निजि सचिवालय, स्वास्थ्य मन्त्रालय, गण्डकी प्रदेश।

बोधार्थ:
श्री स्वास्थ्य निर्देशनालय, गण्डकी प्रदेश, पोखरा।

गण्डकी प्रदेश सरकार
# स्वास्थ्य मन्त्रालय
पोखरा, नेपाल
☎ : ०६१-५३५०९५
: ०६१-५३५०८४

पत्र संख्या : २०८१/०८२
चलानी नं. : ४००

मिति : २०८१/०७/०७

विषय : मन्त्रालयले तय गरेका योजना र सो को कार्यान्वयन सम्वन्धमा।

श्री स्वास्थ्य कार्यालयहरू (११ वटै)

गण्डकी प्रदेश।

प्रस्तुत विषयमा यस मन्त्रालयका मा. मन्त्री कृष्ण प्रसाद पाठकज्यूबाट मिति २०८१/०६/१५ मा सार्वजनिक भएको मन्त्रालयको अल्पकालीन, मध्यकालीन तथा दीर्घकालीन योजना यसैसाथ संलग्न छ। सो सम्बन्धमा देहाय बमोजिमका योजना कार्यान्वयन गर्ने जिम्मेवारी तहाँ कार्यालयसँग सम्बन्धित रहेकोले उक्त योजनाहरू प्राथमिकताका साथ कार्यान्वयन हुने व्यवस्था मिलाई नियमित प्रतिवेदन गर्नुहुन अनुरोध छ।

अल्पकालीन योजना (६ महिना भित्र सम्पन्न गर्नुपर्ने):

| क.स. | मन्त्रालयले तय गरेका अल्पकालीन योजनाहरू, ०८१/८२ |
|---|---|
| १ | पूर्ण संस्थागत सुत्केरी अभियानलाई प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गरिने छ । |
| २ | आत्महत्या रोकथाम, सुत्केरी पश्चात हुने अवशाद (Post-partum Depression) तथा अन्य मानसिक रोगलाई न्यूनीकरण गर्न अभियानको रुपमा विद्यालय स्वास्थ्य शिक्षा लगायतका कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरिने छ । |
| ३ | सम्भावित विपद् वा प्रकोपको समयमा निरन्तर स्वास्थ्य सेवा प्रवाह गर्न रणनैतिक स्वास्थ्य संस्थाहरूमा अत्यावश्यक औषधी तथा सामग्रीहरूको अतिरिक्त भण्डारण (Buffer Stock) को व्यवस्था गरिने छ । |

नोट: प्रत्येक महिनाको पहिलो साता उल्लिखित योजना कार्यान्वयनको अवस्थाका साथै चालु आ.व.मा विनियोजित कार्यक्रमको प्रगति समीक्षा गर्ने गरी संचालन हुने भर्चुअल माध्यमको बैठकमा अनिवार्य सहभागिताका लागि अनुरोध छ।

(डा. विनोद विन्दु शर्मा)
सचिव

सादर अवगतार्थ:
श्री मा. मन्त्रीज्यूको निजि सचिवालय, स्वास्थ्य मन्त्रालय, गण्डकी प्रदेश।

बोधार्थ:
श्री स्वास्थ्य निर्देशनालय, गण्डकी प्रदेश, पोखरा।

गण्डकी प्रदेश सरकार
# स्वास्थ्य मन्त्रालय
पोखरा, नेपाल
☎ : ०६१-५३५०९५
: ०६१-५३५०८४

पत्र संख्या : २०८१/०८२
चलानी नं. : ४०४

मिति : २०८१/०७/०७

विषय : मन्त्रालयले तय गरेका योजना र सो को कार्यान्वयन सम्वन्धमा।

श्री मण्डकी आयुर्वेद औषधालय, कास्की ।

श्री धौलागिरी आयुर्वेद औषधालय, बागलुङ।

प्रस्तुत विषयमा यस मन्त्रालयका मा. मन्त्री कृष्ण प्रसाद पाठकज्यूबाट मिति २०८१/०६/१५ मा सार्वजनिक भएको मन्त्रालयको अल्पकालीन, मध्यकालीन तथा दीर्घकालीन योजना यसैसाथ संलग्न छ। सो सम्बन्धमा देहाय बमोजिमका योजना कार्यान्वयन गर्ने जिम्मेवारी तहाँ कार्यालयसँग सम्बन्धित रहेकोले उक्त योजनाहरू प्राथमिकताका साथ कार्यान्वयन हुने व्यवस्था मिलाई नियमित प्रतिवेदन गर्नुहुन अनुरोध छ।

अल्पकालीन योजना (६ महिना भित्र सम्पन्न गर्नुपर्ने):

| क.स. | मन्त्रालयले तय गरेका अल्पकालीन योजनाहरू, ०८१/८२ |
|---|---|
| १ | आत्महत्या रोकथाम, सुत्केरी पश्चात हुने अवशाद (Post-partum Depression) तथा अन्य मानसिक रोगलाई न्यूनीकरण गर्न अभियानको रुपमा विद्यालय स्वास्थ्य शिक्षा लगायतका कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरिने छ । |

नोट: प्रत्येक महिनाको पहिलो साता उल्लिखित योजना कार्यान्वयनको अवस्थाका साथै चालु आ.व.मा विनियोजित कार्यक्रमको प्रगति समीक्षा गर्ने गरी संचालन हुने भर्चुअल माध्यमको बैठकमा अनिवार्य सहभागिताका लागि अनुरोध छ।

(डा. विनोद विन्दु शर्मा)
सचिव
डा. विनोद विन्दु शर्मा
सचिव

सादर अवगतार्थ:
श्री मा. मन्त्रीज्यूको निजि सचिवालय, स्वास्थ्य मन्त्रालय, गण्डकी प्रदेश।

बोधार्थ:
श्री स्वास्थ्य निर्देशनालय, गण्डकी प्रदेश, पोखरा।
श्री आयुर्वेद स्वास्थ्य केन्द्रहरू (सबै), गण्डकी प्रदेश: *सम्बन्धित योजना कार्यान्वयन र बैठकको सहभागिताका लागि।*

गण्डकी प्रदेश सरकार
# स्वास्थ्य मन्त्रालय
पोखरा, नेपाल
☎ : ०६१-५३५०९५
: ०६१-५३५०८४

पत्र संख्या : २०८१/०८२
चलानी नं. : ४०२

मिति २०८१/०७/०७

विषय : मन्त्रालयले तय गरेका योजना र सो को कार्यान्वयन सम्वन्धमा।

श्री स्वास्थ्य निर्देशनालय, गण्डकी प्रदेश।

श्री प्रदेश स्वास्थ्य आपूर्ति व्यवस्थापन केन्द्र, गण्डकी प्रदेश।

श्री प्रदेश जनस्वास्थ्य प्रयोगशाला, गण्डकी प्रदेश।

श्री स्वास्थ्य तालिम केन्द्र, गण्डकी प्रदेश।

श्री क्षयरोग उपचार केन्द्र, गण्डकी प्रदेश।

प्रस्तुत विषयमा यस मन्त्रालयका मा. मन्त्री कृष्ण प्रसाद पाठकज्यूबाट मिति २०८१/०६/१५ मा सार्वजनिक भएको मन्त्रालयको अल्पकालीन, मध्यकालीन तथा दीर्घकालीन योजना यसैसाथ संलग्न छ। उक्त योजनाहरू मध्ये तहाँ कार्यालयसँग सम्बन्धित योजनाहरू यस मन्त्रालयसँगको समन्वयमा प्राथमिकताका साथ कार्यान्वयन हुने व्यवस्था मिलाई नियमित प्रतिवेदन गर्नुहुन अनुरोध छ।

नोटः प्रत्येक महिनाको पहिलो साता उल्लिखित योजना कार्यान्वयनको अवस्थाका साथै चालु आ.व.मा विनियोजित कार्यक्रमको प्रगति समीक्षा गर्ने गरी संचालन हुने भर्चुअल माध्यमको बैठकमा अनिवार्य सहभागिताका लागि अनुरोध छ।

(डा. विनोद विन्दु शर्मा)
सचिव

डा. विनोद विन्दु शर्मा
सचिव

सादर अवगतार्थः
श्री मा. मन्त्रीज्यूको निजि सचिवालय, स्वास्थ्य मन्त्रालय, गण्डकी प्रदेश।

## गण्डकी प्रदेश सरकार स्वास्थ्य मन्त्रालयका माननीय मन्त्रीज्यूबाट प्रस्तुत भावी कार्ययोजना

### [अल्पकालीन योजना]

| | |
|---|---|
| क. | नीतिगत तथा कानूनी सुधार सम्बन्धमा |
| १ | आयुर्वेद स्वास्थ्य संस्था व्यवस्थापन समितिको गठन आदेश तर्जुमा गरिने छ । |
| २ | चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी प्रोत्साहन सम्बन्धी कार्यविधि तयार गरिनेछ। |
| ३ | प्रदेश जनस्वास्थ्य प्रयोगशाला सञ्चालन कार्यविधि तयार गरिनेछ। |
| ४ | निजि स्वास्थ्य संस्था दर्ता, नविकरण र अनुगमन सम्बन्धि कार्यविधि संशोधन गरिने छ। |
| ५ | अस्पताल सञ्चालनको लागि स्थानीय तहहरुसंग समन्वयात्मक प्रणाली विकास गरिने छ। |
| ६ | स्वास्थ्य क्षेत्रमा कार्यरत कर्मचारीहरुको कार्यसम्पादनमा आधारित मूल्याङ्कन प्रणालीको विकास गरिने छ। |
| ७ | गण्डकी प्रदेश निजामती सेवा ऐन र नियमावलीलाई स्वास्थ्य क्षेत्र मैत्री हुने गरी संशोधन गरिने छ। |
| ८ | सरकारी, गैरसरकारी संघ-संस्था, दातृनिकायहरू तथा निजी क्षेत्रबीच समन्वय तथा सहजीकरणका लागि प्रदेश स्वास्थ्य समन्वय समिति गठन गरी क्रियाशील बनाइने छ। |
| ९ | आकस्मिक स्वास्थ्य उपचार कोष व्यवस्थापन कार्यविधी तर्जुमा गरिने छ। |
| १० | संघीय सरकारबाट व्यवस्था भए बमोजिमका स्वास्थ्यसंग सम्बन्धित समितिहरुलाई क्रियाशिल बनाइने छ। |
| ख. | सुशासन सम्बन्धमा |
| १ | मातहतका कार्यालयहरुको नामाकरण कार्य प्रकृतिको आधारमा संशोधन गरिने छ। |
| २ | मातहतका कार्यालयहरुको बेरुजु न्यूनीकरणका लागि कार्यदल गठन गरिने छ। |
| ३ | मन्त्रालय र मातहतका कार्यालयको त्रैमासिक रुपमा प्रगति तथा खर्च विवरण सार्वजनिकीकरणका लागि सम्बन्धित कार्यालयको वेबसाइटमा राख्ने व्यवस्था मिलाइने छ। |
| ४ | प्रत्येक कार्यालयका प्रमुखहरुसंग मन्त्रालयबाट कार्यसम्पादनमा आधारित कार्यसम्पादन सम्झौता गरिने छ। |
| ग. | आपूर्ति व्यवस्थापन सम्बन्धमा |
| १ | प्रदेश मातहतका स्वास्थ्य संस्थाहरुमा मौजुदा औजार उपकरणहरुको अवस्था र प्रयोगको अडिट गरी सफ्टवयेरमा प्रविष्ट गरिने छ र मर्मत सम्भारको लागि बायोमेडिकल युनिटमा बायोमेडिकल प्राविधिकको थप व्यवस्था गरिने छ। |
| २ | प्रदेश भित्र औषधिको गुणस्तर जांचको व्यवस्था मिलाईने छ। |
| ३ | मातहतका कार्यालयहरुमा बिग्रिएर प्रयोगमा नआएका सामाग्रीहरुको लिलाम कार्य अगाडि वढाउन प्रदेशस्तरीय कार्यदल गठन गरी सहजिकरण गरिने छ। |
| घ. | मातृ र नवजात शिशु स्वास्थ्य सेवा सुदृढीकरण |
| १ | पूर्ण संस्थागत सुत्केरी अभियानलाई प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गरिने छ। |
| २ | कम्तिमा ५० जनालाई दक्ष प्रसुतिकर्मी तालिम(Skilled Birth Attendent ) सम्पन्न गरी (Skilled Health Personal / Skilled Birth Attendent ) Modular तालिमको प्रशिक्षक प्रशिक्षणको व्यवस्था मिलाइने छ। |
| ३ | गर्भवतीका लागि ग्रामीण अल्ट्रासाउन्ड सेवालाई प्राथमिकताका साथ थप स्वास्थ्य संस्थामा विस्तार गरिने छ। |
| ४ | हेमोडायलाइसिस सेवाको लागि प्रतिक्षारत संख्यालाई शुन्य कायम राख्ने नीति अनुसार डायलाइसिस सेवाको सुदृढिकरणलाई निरन्तरता दिइनेछ। |
| ५ | संघीय सरकारलाई सबै जिल्ला र भुगोलमा रहेका गर्भवती तथा नवशिशुको लागि आकस्मिक हवाई उद्धारको व्यवस्थापन गर्ने पैरवी गरिने छ। |
| ६ | पाठेघर खस्ने समस्या र फिस्टुला रोगको पहिचान गरी नि:शुल्क उपचारको व्यवस्था गरिने छ। |
| ङ. | स्वास्थ्य क्षेत्रको संस्थागत क्षमता विकास तथा विस्तार |
| १ | स्वास्थ्य क्षेत्रको संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण गरी वैज्ञानिक संरचनागत व्यवस्थापन गरिने छ। |
| २ | प्रदेश जनस्वास्थ्य प्रयोगशालाको सेवालाई गण्डकी प्रदेशस्थित स्थानीय तहका रणनैतिक स्थानमा विस्तार गरिनेछ। |
| च. | सेवा प्रवाह तथा गुणस्तरको सुनिश्चितता सम्वन्धमा |
| १ | अस्पतालबाट सेवा लिने क्रममा सेवाग्राहीलाई सहयोग गर्न अस्पताललले सहजकर्ताको व्यवस्था गरी सेवाग्राही मैत्री वातावरण सृजना गरिने छ। साथै व्यवस्थित प्रतिक्षालयको व्यवस्थापन गरिने छ। |
| २ | अस्पताल तथा कार्यालयहरुमा सुरक्षित खानेपानी तथा सरसफाइ व्यवस्थापन गरिने छ। |
| ३ | अस्पतालहरुमा उपलब्ध हुने औषधिको विवरण अद्यावधिक गरी अस्पताल फार्मेसिहरुलाई थप व्यवस्थित बनाइने छ। |
| ४ | योजना तर्जुमा र कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयनको लागि स्थानिय तह, प्रदेश र संघको सहभागितामा अन्तरक्रिया कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ। |
| ५ | स्वास्थ्यजन्य फोहोर व्यवस्थापनको कार्य प्रभावकारी रुपमा अघि बढाइने छ। |

विनोद कुमार शर्मा
स्वास्थ्य मन्त्रालय, गण्डकी प्रदेश

६ प्रदेश जनस्वास्थ्य प्रयोगशालालाई सेवा प्रवाह गर्न अनुकूल हुने उपयुक्त स्थानमा स्थानान्तरण गरी थप सेवा सहित सञ्चालन गरिने छ।

७ गण्डकी र धौलागिरी आर्युवेद औषधालयमा आवश्यक जनशक्ति र उपकरणको व्यवस्था गरी अन्तरंग सेवा व्यवस्थित गरिने छ।

**छ. सूचना व्यवस्थापन तथा अनुसन्धानमा आधारित निर्णय प्रकृया सम्वन्धमा**

१ गण्डकी प्रदेशको प्राथमिकता अनुरुप स्वास्थ्य क्षेत्रमा खोज तथा अनुसन्धानका कार्यक्रमहरु प्राज्ञिक संस्था, विकास साझेदार एवं सरोकारवालासंगको समन्वय र सहकार्यमा साझेदारीमा अध्ययन अनुसन्धान गरी सार्वजनिकीकरण गरिने छ।

**ज. जनस्वास्थ्य आपतकालीन तयारी र प्रतिकार्य सम्वन्धमा**

१ सम्भावित स्वास्थ्य महामारीहरू र प्राकृतिक विपदहरूको पूर्व तयारी र प्रतिकार्यको लागि स्वास्थ्य आपतकालीन योजना तथा विपद जोखिम नक्साङ्कन, स्रोतको पहिचान र समन्वयात्मक रुपमा द्रुत प्रतिकार्य गरिने छ।

२ स्वास्थ्य विपद सम्बन्धि सूचनाहरुलाई तत्काल अद्यावधिक गर्न सोरमास (Surveillance Outbreak Response Management and Analysis System: SORMAS) लाई विस्तार गरी प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गरिने छ।

३ सम्भावित विपद् वा प्रकोपको समयमा निरन्तर स्वास्थ्य सेवा प्रवाह गर्न रणनैतिक स्वास्थ्य संस्थाहरूमा अत्यावश्यक औषधी तथा सामग्रीहरूको अतिरिक्त भण्डारण (Buffer Stock) को व्यवस्था गरिने छ।

४ प्रदेश स्वास्थ्य आपतकालीन सञ्चालन केन्द्र र एम्बुलेन्स डिस्प्याच सेन्टरको सुदृढीकरण गरिने छ।

**झ. सर्ने तथा नसर्ने रोगहरूको व्यवस्थापन सम्बन्धमा**

१ सर्ने रोग जस्तै क्षयरोग, कुष्ठरोग र नसर्ने रोग जस्तै मधुमेह, उच्च रक्तचाप, आदिको समुदायस्तरमा स्क्रीनिङ गरिने छ।

२ अस्पतालहरुमा मानसिक उपचार सेवाको विस्तारको साथै मनोसामाजिक परामर्शकर्ताको व्यवस्था गरिने छ।

३ आत्महत्या रोकथाम, सुत्केरी पश्चात हुने अवशाद (Post-partum Depression) तथा अन्य मानसिक रोगलाई न्यूनीकरण गर्न अभियानको रुपमा विद्यालय स्वास्थ्य शिक्षा लगायतका कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरिने छ।

## [मध्यकालीन योजना]

**क. नीतिगत तथा कानूनी सुधारका सम्बन्धमा**

१ सबै नीतिमा स्वास्थ्य निर्देशिका जारी गरि कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ।

२ विधुतीय स्वास्थ्य कार्यान्यन निर्दशिका (Digital Health Implementation Guideline) निर्माण गरिनेछ।

३ आयुर्वेद तथा वैकल्पिक चिकित्सा मार्गचित्र तर्जुमा गरिने छ।

४ अस्पताल व्यवस्थापन समिति गठन आदेशको संशोधन एवं पुनर्लेखन गरिनेछ।

५ डिजिटल स्वास्थ्य ऐन तथा नियमावली तर्जुमा गरिनेछ।

६ प्रदेश जनस्वास्थ्य ऐन तथा नियमावली तर्जुमा गरिनेछ।

७ विद्यालय तथा सामुदायिक स्वास्थ्यकर्मी व्यवस्थापन मापदण्ड तयार गरिने छ।

८ सेवा करारमा स्वास्थ्य क्षेत्रको जनशक्ति व्यवस्थापन कार्यविधि संशोधन गरिने छ।

९ प्रदेश मातहतका कार्यालयको कार्य जिम्मेवारी र अन्तर्गतका स्वास्थ्यकर्मीहरूको कार्यविवरण समयानुकुल अद्यावधिक गरिने छ र साथै स्थानीय तहमा कार्यरत स्वास्थ्यकर्मीहरुको नमूना कार्यविवरण तयार गरिने छ।

१० विस्तारित बहिरङ्ग सेवालाई व्यवस्थित र दिगो बनाउन आवश्यक नीतिगत तथा व्यवस्थापकीय प्रबन्ध गरिने छ।

११ स्वास्थ क्षेत्रका सवालहरुको सम्बोधनका लागि लगानी वृद्धि गर्न विशेष तथा समपुरक अनुदानलाई प्राथमिकताकामा राखिने छ।

**ख. सुशासन सम्बन्धमा**

१ आर्थिक तथा प्रशासनिक आन्तरिक नियन्त्रण प्रणालीलाई कडाइका साथ लागु गरिने छ।

२ मातहतका कार्यालयहरुको नियमित अनुगमन, सुपरिवेक्षण तथा स्थलगत अनुशिक्षणका लागि सफ्टवेयर तयार गरी कार्यान्वयन गरिनेछ।

**ग. भौतिक पुर्वाधार सम्बन्धमा**

१ स्वास्थ्य संस्थाको भौतिक पुर्वाधार निर्माण गर्न जग्गा प्राप्तिको लागि संघ तथा स्थानीय सरकारसँग समन्वय र पहल गरिने छ।

२ लमजुङ, स्याङ्जा र दमौली अस्पतालको नयाँ भवन निर्माण कार्य प्रारम्भ गरिने छ।

३ स्वास्थ्य निर्देशनालय, गण्डकी प्रदेश र स्वास्थ्य कार्यालय, नवलपरासी ब.सु.पू को भवन निर्माण गरिने छ।

४ आयुर्वेद कार्यालयहरुको भौतिक संरचना सुदृढीकरण गरिने छ। साथै जिल्ला सदरमुकामस्थित अस्पतालबाट आयुर्वेद सेवा प्रवाह हुने व्यवस्था मिलाइनेछ।

५ गण्डकी स्वास्थ्य प्रवर्द्धन केन्द्र स्थापना तथा सञ्चालनमा ल्याईने छ।

**घ. आपूर्ती तथा जनशक्ति व्यवस्थापन सम्बन्धमा**

१ आधारभूत स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्न समयमै अत्यावश्यक औषधीहरुको प्रक्षेपण तथा परिमाण निर्धारण गरी नियमित आपूर्तिका लागि आवश्यक व्यवस्था मिलाइने छ।

२ अत्यावश्यक स्वास्थ्य सेवा [खोप, औषधी ढुवानी लगायत कोल्ड चेन कायम गर्न रेफरिजिरेटर भ्यान] तथा जनस्वास्थ्यसँग सम्बन्धित सेवाका लागि स्वास्थ्य कार्यालय र आयुर्वेद कार्यालयहरुमा सवारी साधनको व्यवस्थापन गरिने छ।

३ शैक्षिक संस्थासंग सहकार्य गरी एनेस्थेसिया स्नातक, बायोमेडिकल इक्युमेन्ट टेक्निसियन (Biomedical Equipment Technician: BMET), एनेस्थेसिया सहायक (Anaesthesia Assistant) लगायतका जनशक्ति उत्पादन गर्ने व्यवस्था मिलाइने छ।

**ङ. मातृ र नवजात शिशु स्वास्थ्य सेवा सुदृढीकरण सम्बन्धमा**

१ दुर्गम क्षेत्रहरूमा मातृ तथा नवशिशु स्वास्थ्य सेवाहरूको पहुँच र उपयोगमा सुधार ल्याईने छ।

२ स्थानीय र प्रादेशिक स्वास्थ्य संस्थाहरुबाट गर्भवती देखि सुत्केरीसम्म नियमित रुपमा गुणस्तरीय सेवा (ANC To PNC Continuum of Care) प्रवाह गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ।

३ धौलागिरी, मातृशिशु मितेरी ,लमजुङ अस्पताल लगायतका रणनैतिक स्थानका अस्पतालहरुमा मातृशिशु प्रतिक्षा गृह (Maternity Waiting Home) स्थापना तथा प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गरिने छ।

४ रणनैतिक स्थानमा रहेका बर्थीङ सेन्टरलाई मापदण्ड बमोजिम सुदृढिकरण गरिने छ।

५ गण्डकी प्रदेशमा मिड्वाइफ्री र स्टाफ नर्स शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालन कार्यलाई प्राथमिकता साथ अघी बढाइने छ।

**च. स्वास्थ्य क्षेत्रको संस्थागत क्षमता विकास तथा विस्तार सम्बन्धमा**

१ सेवाग्राहीको चाप, रोगको प्रकृति एवं भार र जनसंख्या आदिको आधारमा अस्पतालहरुको स्तरोन्नती गरिने छ।

२ चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मीहरुलाई योगदानमा आधारित प्रोत्साहनको व्यवस्था गरिने छ।

३ आवश्यकतामा आधारित तालिम व्यवस्थापन गरी निश्चित सेवासंग सम्बन्धित तालिम प्राप्त स्वास्थ्यकर्मीलाई सोहि अनुसारको सेवा प्रवाह हुने संस्थामा खटाउने व्यवस्था गरिने छ।

४ धौलागिरी र गण्डकी आयुर्वेद औषधालयलाई औषधी उत्पादन तथा प्रशोधन गर्न थप क्षमता विस्तार गरिने छ।

५ धौलागिरी, दमौली, मध्यविन्दु र स्याङजा अस्पतालमा ट्रमा केयर सेन्टरको स्थापना गरी दुर्घटनामा परेका वा ठूलो चोटपटक लागेका बिरामीहरूलाई तत्काल आवश्यक उपचार पाउने व्यवस्था गरिने छ।

६ औषधि व्यवसायीहरुको दर्ता र नवीकरणको कार्यको सहजताको लागि औषधि व्यवस्था विभागसँग समन्वय गरी प्रदेश स्तरीय कार्यालय स्थापना गर्न पहल गरिने छ।

**छ. सेवा प्रवाह तथा गुणस्तरको सुनिश्चितता सम्बन्धमा**

१ अस्पतालहरुबाट अनलाइन प्रणालिमार्फत टिकट लिने व्यवस्था मिलाइने छ।

२ अपाङ्गता मैत्री स्वास्थ्य सेवाको अवधारणा कार्यन्वयन गरी सेवाको पहुँच, उपयोगमा बृद्धि गरी कार्यान्वयन गरिने छ। साथै अपाङ्गता भएका बालबालिकाहरुको शल्यक्रिया एवं पुनर्स्थापना कार्यलाई प्राथमिकताका दिइने छ।

३ प्रतिजैविक प्रतिरोध (Anti-Microbial Resistance: AMR) निगरानी, न्युनिकरण तथा व्यवस्थापनको लागि एक स्वास्थ्य रणनीतिलाई प्राथमिकताका साथ कार्यान्वयन गरिने छ।

४ स्वास्थ्य सेवाको गुणस्तर सुनिश्चिताको लागि अस्पतालहरुमा क्लिनिकल अडिटको साथै सेवाग्राही सन्तुष्टि सर्वेक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ।

५ अकुपञ्चर, फिजियोथेरापी, प्राकृतिक चिकित्सा आदि सेवाहरुलाई एकीकृत रुपमा आयुर्वेद औषधालय तथा आयुर्वेद स्वास्थ्य केन्द्रहरुबाट प्रवाह गरिने छ।

६ प्रदेश जनस्वास्थ्य प्रयोगशालालाई आधुनिक एवं सुविधा सम्पन्न बनाई विशिष्टीकृत परीक्षण सरल र सहजरुपमा हुने व्यवस्था मिलाईनुका साथै प्रयोगशालाहरुको गुणस्तर नियमन तथा अनुसन्धानका लागि सवलिकृत गरिने छ।

७ आवश्यक जनशक्ति, तालिम र पूर्वाधारसहितको उच्च भेगीय स्वास्थ्य सेवा (High Altitude Sickness Treatment Center) कार्यक्रम प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गरिने छ साथै मेडिकल पर्यटन (Medical Tourism) सेवा प्रारम्भ गरिने छ।

८ स्वास्थ्य बीमाको दायरा बढाउन पहल गरिने छ।

९ विश्व बैंकको सहयोगमा सञ्चालित गुणस्तरीय स्वास्थ्य कार्यक्रमलाई प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गरिने छ।

१० हृदयघात रोगको आकस्मिक व्यवस्थापनका लागि अस्पतालहरुमा आवश्यक औषधि (Thrombolytic Drugs)को व्यवस्था गरिनेछ।

**ज. सूचना व्यवस्थापन तथा अनुसन्धानमा आधारित निर्णय प्रकृया सम्बन्धमा**

१ स्वास्थ्य सेवा प्रणालीमा प्रविधिको पूर्ण उपयोग गर्न इन्टरअपरेबल डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफर्मको विकास एवं विस्तार गरी विद्युतीय स्वास्थ्य रेकर्ड (Electronic Health Record) प्रणालिको विकास गरिने छ।

२ स्वास्थ्य तथ्याङ्कको सुरक्षित भण्डारण, गोपनियता तथा समुचित प्रयोगको लागि आवश्यक संरचनागत व्यवस्था गरिने छ।

**झ. जनस्वास्थ्य आपतकालीन तयारी र प्रतिकार्य सम्बन्धमा**

सरोकारवालाहरुको समन्वय र सहकार्यमा स्थानीय तहमा द्रुत प्रतिकार्य टोलीका लागि सामग्री (Rapid Response Team Kit)

१ तथा सबै जिल्लामा अत्यावश्यक उपचार टोली का लागि सामग्री (Emergency Medical Deployment Team Bagpack) आवश्यक मात्रामा व्यवस्थापन गरिने छ।

२ स्थानीय तहको समन्वयमा प्रदेशभर खानेपानी गुणस्तर परिक्षण एवं निगरानी कार्यलाई विस्तार तथा सुदृढ गरिने छ।

ञ. सर्ने तथा नसर्ने रोगहरूको व्यवस्थापन सम्बन्धमा

१ मानसिक तथा दीर्घ रोगहरूको रोकथाम, समयमा निदान र उपचारको दायरा बढाइने छ।

२ स्वास्थ्यका बृहत सामाजिक निर्धारकहरुको यथोचित व्यवस्थापन गर्न गैरस्वास्थ्य क्षेत्रको सहभागिता, सहकार्य तथा समन्वयलाई संस्थागत गरिने छ।

३ विद्यालय तहमा स्वास्थ्य शिक्षालाई अनिवार्य विषयको रुपमा अध्ययन गराउन पहल गरिने छ।

ट. सार्वजनिक-निजी साझेदारीको प्रवर्द्धन सम्बन्धमा

१ निजी स्वास्थ्य संस्थाको उपचार खर्चलाई नियमन गर्न निजी क्षेत्रबाट प्रवाहित सेवाहरूको वैज्ञानिक मुल्य निर्धारण गरी लागु गरिने छ।

**[दीर्घकालिन योजना]**

क. नीतिगत तथा कानूनी सुधार सम्बन्धमा

१ स्वास्थ्य क्षेत्रको विशेषता र संवेदनशिलतालाई ध्यान दिई सार्वजनिक खरिद ऐन तथा नियमावली संशोधन गर्न पहल गरिने छ।

२ स्वास्थ्य सेवामा प्रदेश सरकारको लगानी समयानुकूल वृद्धि गर्दै कुल बजेटको कम्तीमा १० प्रतिशत हुने गरी स्वास्थ्यमा हुने व्यक्तिगत खर्चको भार क्रमश: घटाउँदै लगिने छ।

ख. भौतिक पुर्वाधार सम्बन्धमा

१ अस्पतालहरुमा आवासगृहको व्यवस्थापन कार्यलाई अगाडि बढाइने छ।

२ प्रदेशमा क्यान्सर, मुटु, मृगौला रोगको उपचारको लागि विशिष्टीकृत अस्पताल र मातृशिशु, महिला तथा बाल अस्पताल निर्माण कार्यलाई प्राथमिकता साथ अघि बढाइनेछ।

३ स्वास्थ्य तालिम केन्द्रमा सुविधासम्पन्न तालिम हल र छात्रावास निर्माण गरिने छ।

ग. सेवा प्रवाह तथा गुणस्तरको सुनिश्चितता सम्बन्धमा

१ नाक, कान, घाँटी, दाँत र आँखा स्वास्थ्य सेवालाई एकीकृत स्वास्थ्य सेवाको रुपमा विस्तार गरी प्रदेशका अस्पतालबाट सञ्चालन गरिनेछ र यी सेवालाई दुर्गम क्षेत्रमा पहुँच बढाउन आवश्यकताको आधारमा स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन गरिने छ।

घ जनस्वास्थ्य आपतकालीन तयारी र प्रतिकार्य सम्बन्धमा

१ प्रदेश जनस्वास्थ्य प्रयोगशालालाई सुदृढीकरण गर्दै संक्रामक तथा सरुवा रोगहरुको निगरानीका साथै अनुसन्धान केन्द्रको रुपमा विकास गरिने छ।

२ एयर एम्बुलेन्सको व्यवस्थापन गरिने छ।

ङ. सार्वजनिक-निजी साझेदारीको प्रवर्द्धन सम्बन्धमा

१ शिक्षण अस्पताल तथा निजी क्षेत्रसँग सहकार्य गरेर विशेषज्ञ जनशक्तीको उत्पादन गरिनेछ साथै विशिष्टिकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदेशका स्वास्थ्य संस्थाहरुबाट उपलब्ध गराउने व्यवस्था गरिने छ।

२ निजी क्षेत्रले लगानी गर्न सक्ने जनस्वास्थ्यका क्षेत्र तथा परियोजनाहरू पहिचान गरी स्वास्थ्य क्षेत्र लगानी खाका (Health Sector Investment Framework) तयार गरी लागु गरिने छ।

**अन्त्यमा:**

स्वास्थ्य क्षेत्रमा रहेको समस्या पहिचान गर्ने र तिनको समाधान खोजी गर्ने ,आर्थिक तथा प्रशासनिक शुसासन कायम गर्ने , नागरिकहरुप्रति सरकारको तर्फवाट जवाफदेहिता वहन गर्ने, राष्ट्रसेवक कर्मचारीहरुको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने, आर्थिक तथा प्रशासनीक सुशासन कायम गर्ने उद्धेश्यका साथ यो अल्पकालीन, मध्यकालीन र दीर्घकालीन कार्ययोजना तयार गरिएको छ। यो कार्ययोजना मार्फत संस्थागत, संरचनागत र कानूनी सुधार गर्ने लक्ष्य लिइएको छ।

यो कार्ययोजनालाई ३ भागमा वाडिएको छ। जसमा ६ महिनामा सम्पन्न हुने कामलाई अल्पकालीन,२ वर्षको अवधिमा सम्पन्न हुने कामलाई मध्यकालिन र ५ वर्षभित्र सम्पन्न हुने कामलाई दिर्घकालीन कार्ययोजनाको रुपमा अगाडि वढाइने छ। कार्ययोजना मध्ये अल्पकालीन योजनाको ३ महिनाको अवधिमा, मध्यकालीन कार्ययोजनाको प्रत्येक ४ महिनाको अवधिमा र दीर्घकालीन कार्ययोजनाको प्रारम्भिक चरणको शुरुवात गरि प्रत्येक ६ महिनाको अवधिमा समीक्षा गरी आवश्यक पृष्ठपोषण लिई कामलाई प्रभावकारी रुपमा अगाडी वढाइने छ।

डा. विनोद प्रसाद शर्मा
स्वास्थ्य मन्त्रालय, गण्डकी प्रदेश